सीयूजे ने शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में प्राप्त की कई ख्यातियां

निकट भविष्य में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करेगा विश्वविद्यालय : कुलपति

रांची : अपने अस्तित्व के अंतिम ग्यारह वर्षों के दौरान, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शिक्षा और अनुसंधान के लगभग हर क्षेत्र में कई ख्याति प्राप्त की है। अपनी यात्रा के दौरान ,विश्वविद्यालय ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इसमें प्रतिभाशाली और ऊजार्वान संकाय और स्टाफ सदस्यों की एक टीम शामिल है जिन्होंने एक जीवंत अकादमिक माहौल बनाया है। कई संकाय सदस्य डीबीटी-रामलिंगस्वामी फेलोशिप, डीएसटी-रामानुजम फैलोशिप ,डीएसटी-इंस्पायर, यूजीसी-एफआरपीए आदि सहित प्रतिष्ठित परियोजनाओं और फेलोशिप के प्राप्तकर्ता हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित डीबीटी-बिल्डर कार्यक्रम, डीएसटी-सीओई जीईटी सहित कई महत्वपूर्ण शोध कार्यक्रम हैं। यूजीसी, डीएसटी, डीबीटी, सीएसआईआर, आईसीएसएसआर, एमओईएफ, एमओईएस, इसरो, आदि जैसे विभिन्न फंडिंग एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित व्यक्तिगत अनुसंधान एवं विकास अनुसंधान परियोजनाओं के अलावा कार्यक्रम, डीएसटी, एफआईएसटी कार्यक्रम। कुलपति प्रो. क्षितिज भूषण दास के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व में, विश्वविद्यालय सफलता की नई ऊंचाइयों पर चढ़ रहा है। इसने वर्ष 2022 से सभी कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों में बहु प्रवेश और निकास प्रणाली के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) को समग्र रूप से लागू करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की स्थापना के उपाय शुरू किए गए हैं। नए वैधानिक पदों का प्रस्ताव और सृजन किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020, बहु-विषयक अंत:विषय प्रक्रिया, क्रेडिट हस्तांतरण के लिए यूजीसी स्वयं विनियम, अप्रेंटिसशिप-इंटर्नशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम पर यूजीसी दिशा निर्देश, यूजीसी लर्निंग में परिकल्पित विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों में एकाधिक प्रवेश और निकास प्रणाली (एमईईएस) से संबंधित विभिन्न अध्यादेश और विनियम, यूजीसी लर्निंग परिणाम आधारित पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एलओसीएफ) और समझौता ज्ञापन (सहयोग नीति दिशानिर्देश) के लिए मसौदा नीति को कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित किया गया है। विश्वविद्यालय सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) बढ़ाने पर विशेष जोर दे रहा है।